

लोक सुनवाई पर उठाए पीड़ित आदिवासियों ने सवाल, सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। शकर-पेंच तिक्का संयुक्त परियोजना के पहले चरण के प्रस्तावित बंध निर्माण के सम्बंध में 1 जुलाई 2025 को प्रदूषण नियन्त्रण मंडल लोकसुनवाई की आयोजन करने जा रही है।

हाईटी ब्लॉक के ग्राम कुकरेपानी में बनने वाले इस बंध में लगभग 10 गांव की जमीन डूब में आ रही है। जात हो डूब से प्रभावित गांव अधिसूचित क्षेत्र है जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची में आते हैं ऐसे क्षेत्र में ऐसा कानून का पालन होना चाहिये क्योंकि पेस कानून का उद्देश्य ही आदिवासियों के हितों के रक्षा करने के लिए बना है। परन्तु वास्तविक स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।

इस लोक सुनवाई के आयोजन स्थल को लेकर ग्रामवासियों में आकोश है उनका कहना है कि लोक सुनवाई ग्राम पंचायत चोपना में रखी गई है जो उनके गांव से लगभग 10-20 कि.मी. दूर पड़ता है तथा ग्राम चोपना की जमीन डूब में नहीं आ रही है।

डूब क्षेत्र के किसियों को वैसे ही उनकी जमीन जाने का डर सता रहा है वो लोग अपने आपको भयभीत महसूस कर रहे हैं उन्हें 10-20 कि.मी. दूर बुलाकर लोकसुनवाई करना उनको और भयभीत कर रहा है। गांव वालों का कहना

कुकरेपानी में बनने वाले बंध में दस गांवों की जमीन डूब गई, लोक सुनवाई हो रही है चोपना में, जो बहुत दूर है और डूब में भी आ रहा



पड़ रहा है कि उन्होंने उच्च न्यायलय में अपनी पीड़ितों को याचिका के माध्यम से दायर की है परन्तु आज तक सम्मानीय उत्तरवादिगणों ने उनका जबाब दिलिख नहीं किया।

ग्राम वासियों को उनके क्षेत्र से लगभग 390 हेक्टर जंगल डूबने का डर भी सता रहा है डूब में आरे ग्रामीणों ने इस बात पर चिंता जारी किया जिनके डूबने से उनके क्षेत्र का पर्यावरण परिवर्तन होने से उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ेगा। ग्रामवासियों का कहना है कि ठेकेदार कम्पनी के बाहर से आये अधिकारी उनके ऊपर

रहवासी क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए मजबूर हो जायेगे और ऐसी स्थिति में वे उग्र होकर मवेशियों एवं ग्रामीणों पर हमला कर सकते हैं। ग्राम वासियों का कहना है कि अभी वह लोग शुद्ध वातावरण में रह रहे हैं इतना बड़ा जंगल नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा तथा जलवायु में परिवर्तन होने से उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ेगा। ग्रामवासियों का कहना है कि ठेकेदार

अनुचित प्रशासनिक दबाव बनाते हैं। ऐसे में लोक जनसुनवाई आदिवासियों के लिए जी का जंजाल बनने जा रहा है।

इसी तारतम्य में डूब प्रभावित ग्रामवासियों ने ज्ञापन सौंपकर जन सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वाले में ग्राम कुंडली से राम प्रकाश धर्वे, विष्णु धर्वे, आशाराम इनवाती, ग्राम सियाजिरी से मुनीम करवति, हेतुराम उड़के, ग्राम-खाजरानी से सुग्रीम, मंगलसी, हरिम, ग्राम-कुकरानी से गेंदलाल, रामा आदि वडी संख्या में ग्रामीण जन भारी बरसात में लगभग 100 कि.मी. की दूरी तक करके जिला मुख्यालय छिंदवाड़ा में जिला मजिस्ट्रेट के नाम

से 29 बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपे।

ई.आइ.ए. मामलों के जानकार समाज सेवी जितेंद्र सिंह चौहान ने इस मामले में अपने विचार व्यक्त किये कि ई.आइ.ए. नोटिफिकेशन के प्रावधानों को नजर अदाज करके लोकसुनवाई का आयोजन करना एक प्रकार से स्वच्छ पर्यावरण पर प्रहार कहलाता है इनका कहना पड़ता है कि ग्रामीणों की मांग को मान कर लोक सुनवाई को स्थगित कर देना चाहिये।

दादाजी धाम यात्रा में सांसद के साथ समाजसेवियों ने भी की शिरकत



छिंदवाड़ा, देशबन्धु। सांसद विवेक बंटी साहू की 411 किलोमीटर लंबी पदयात्रा में कल छिंदवाड़ा जिले से जुड़े कई समाजसेवियों ने खंडवा जा रही दादाजी धाम यात्रा में पहुँचकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

समाजसेवियों ने युवा मित्र मंडल के साथ पहुँचकर श्रद्धा भावपूर्वक दादाजी के निशान की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर सांसद विवेक बंटी साहू का पारंपरिक गमधा पहनाकर स्वागत किया गया एवं उपस्थित समाजसेवियों ने उनके साथ पदयात्रा में भाग लिया।

यात्रा मार्ग में दादाजी के जयकारों और भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रूपेश साहू गणेश वर्मा, आस्थी साहू, कमलश वर्मा एवं अखिल सूर्यवंशी, अमित सल्लाम, राही साहू, दीपक चौराएं एवं जीत चौरिया, सल्लेंद्र टेकाम आदि युवा उपस्थित यात्रा में उपस्थित थे।

सार-समाचार

केन्द्रीय चिकित्सालय में एक चिकित्सक एवं पांच कर्मचारी सेवानिवृत

महापौर एवं निगम आयुक्त हुए सम्मानित

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। वर्ष 2025 जिला छिंदवाड़ा के लिए सम्मान और पुरस्कारों का दीर है। रिक्षा का क्षेत्र हो, चिकित्सा का क्षेत्र हो, कृषि विभाग की बात हो, या ऐस जननान्यस का हो, लगातार प्रदेश के मुख्यांग द्वारा छिंदवाड़ा को उत्कृष्ट सम्मान प्राप्त हो रहा है और यह सब संभव हुआ है जिले के सुवेदीसिल कलेक्टर शीलेंद्र दिंगिं के मार्गदर्शन दूरवृद्धि वाली सोच एवं विकास के लिए।

अभी हाल ही में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल संचालन और क्रियान्वयन के लिए निगम आयुक्त सी.पी. राय एवं नगर पालिका निगम

महापौर विक्रम अहके को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित करने की एक और उत्कृष्ट गई है। यह सम्मान 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलाए गए, जल गंगा संवर्धन अभियान में नगर निगम छिंदवाड़ा में हुए उत्कृष्ट

कार्यों के लिए महापौर विक्रम अहके और आयुक्त सी.पी. राय को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खंडवा में आयोजित मुख्य समारोह अभियान के राज्य स्तरीय समाप्त होने के समानित किया गया। इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पांचायत मंत्री प्रदलाद पटेल भी उपस्थित थे।

बता दें कि छिंदवाड़ा जिला निश्चित रूप से अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा सतर्क और सजग रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में भी कलेक्टर छिंदवाड़ा को राज्यपाल के हाथों मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सम्मानित किया जा चुका है। छिंदवाड़ा स्वास्थ्य मातृत्व योजना में भी आगे बढ़ चढ़कर काम करने में अपनी अमित छाप बनाई है।

न्यूनतम बेलेंस न रहने पर भी शुल्क नहीं लेगा सेंट्रल बैंक

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। वेकोलि के केन्द्रीय चिकित्सालय बड़कुही में कल एक जुलाई को एक चिकित्सक सहित 5 कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे हैं। जिसमें शल्य चिकित्सक सुशील कुमार द्विवेदी तथा कर्मचारी अहमद रिजवी, मो. सरोज, राजेन, नीता मालवारी एवं गीता राव के नाम शामिल हैं। सेवानिवृत होने वाले चिकित्सक एवं कर्मचारियों को चिकित्सालय में स्टाफ के द्वारा बिलाई दी गई है। समारोह में चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने पगड़ी एवं माला पहनाकर सभी का सम्मान किया। वहाँ स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किया।

यह कदम बैंक की ग्राहक-केंद्रित नीति और समाज के हर वर्ग तक बैंकिंग सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के दर्शाता है। बैंक ने बेचा जा रहा है और अब बैंक ने अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। जल, जंगल और जमीन के मूल बासिन्दे कहे जाने वाले आदिवासियों को भाजपा कर्मचारी उनके ऊपर

आदिवासियों से जल-जंगल-जमीन छीन रही है भाजपा सरकार : कांग्रेस

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। भाजपा की सरकार का आदिवासी समाज पर अत्याचार पूरी गति से जारी है जिसके चलते अदिवासी समाज म.प्र. में अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। जल, जंगल और जमीन के मूल बासिन्दे कहे जाने वाले आदिवासियों को भाजपा कर्मचारी जमीन और जंगल से आकामक ढंग से भेज़ चुकी है।

म.प्र. के प्रत्येक जिले में नियमों के विरुद्ध प्रदलाद पटेल भी उपस्थित है। और अन्य कर्मचारी जिले के खातावारकों को राहत मिलेगी, जिन्होंने कभी-कभी खातों में न्यूनतम राशि प्रमुख नियमों के बिना अपने ग्राहकों को खातों से नियमित रूप से नियमित राशि प्रदलाद पटेल भी उपस्थित थे।

बता दें कि छिंदवाड़ा जिला निश्चित रूप से अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा सतर्क और अपने आपको अदिवासी समाज के लिए बेहतर बताता है। जिसमें उल्लेख किया कि 23 जून 2025 को योगी ने बड़े बदलाव किये जाएं और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में बड़े बदलाव किये जाएं तथा जल-जंगल-जमीन के लिए बड़े बदलाव किये जाएं। यह जिले के कर्मचारी द्वारा पीड़ित आदिवासी परावर के बड़े बदलाव किये जाएं तथा जल-जंगल-जमीन के लिए बड़े बदलाव किये जाएं। यह जिले के कर्मचारी द्वारा पीड़ित आदिवासी परावर के बड़े बदलाव किये जाएं तथा जल-जंगल-जमीन के लिए बड़े बदलाव किये जाएं। यह जिले के कर्मचारी द्वारा पीड़ित आदिव

